चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 08 अगस्त 2026, अंक –331.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

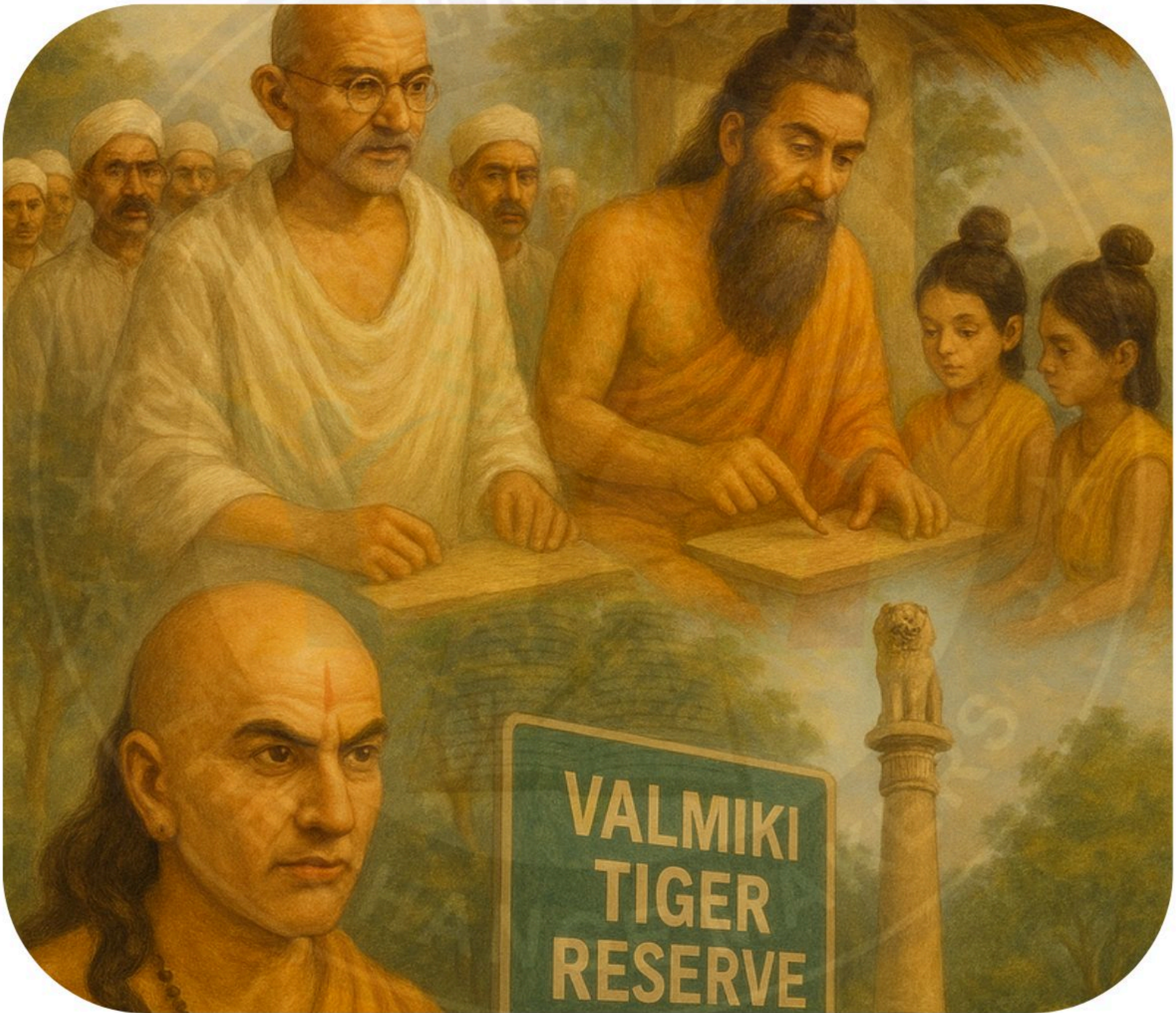

"अंधकार से प्रकाश की ओर चलें।" (तमसो मा ज्योतिर्गमय)।

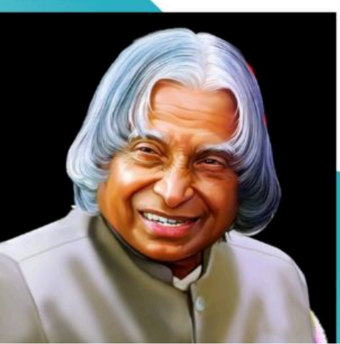

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Saturday Prayer

बिहार राज्य प्रार्थना

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे,
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे।

वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की,
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे।

मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक,
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे।

इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ,
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे।

आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम,
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे।

दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार,
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे।

जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय
बिहार...!

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

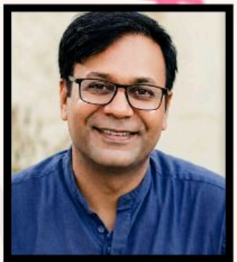

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह —
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. आयरलैंड की राजधानी क्या है?
उत्तर: डबलिन
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला एयर मार्शल कौन थीं?
उत्तर: पद्मावती बंद्योपाध्याय
प्रश्न 3. 'राउफ (Rouf)' किस केंद्र शासित प्रदेश का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: जम्मू और कश्मीर
प्रश्न 4. यदि किसी वृत्त की त्रिज्या 7 सेमी हो, तो उसका व्यास कितना होगा?
उत्तर: 14 सेमी
प्रश्न 5. बिहार का प्रसिद्ध 'कतरनी चावल' मुख्यतः किस जिले से संबंधित है?
उत्तर: भागलपुर
प्रश्न 6. हेमिस राष्ट्रीय उद्यान किस केंद्र शासित प्रदेश में स्थित है?
उत्तर: लद्दाख
प्रश्न 7. सूक्ष्मदर्शी (Microscope) के प्रारंभिक आविष्कार का श्रेय किसे दिया जाता है?
उत्तर: ज़कारियास जान्सेन
प्रश्न 8. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में अस्पृश्यता (Untouchability) का उन्मूलन किया गया है?
उत्तर: अनुच्छेद 17
प्रश्न 9. 'जो कभी न मरे' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: अमर
प्रश्न 10. हम जो साँस लेते हैं, उसमें सबसे अधिक मात्रा किस गैस की होती है?
उत्तर: नाइट्रोजन

संकलन:-

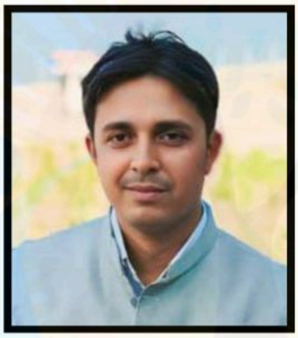

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Middle Finger – (मिडिल फिंगर) – मध्यमा उँगली
Ring Finger – (रिंग फिंगर) – अनामिका उँगली
Nostril – (नॉस्ट्रिल) – नथुना
Gum – (गम) – मसूड़ा
Jawbone – (जॉबोन) – जबड़े की हड्डी
Ankle Bone – (ऐंकल बोन) – टखने की हड्डी
Achilles Tendon – (अकिलीज़ टेंडन) – एड़ी की कण्डरा

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: “तुम कब ... करोगे/करोगी?” (When will you ...?)

तुम कब पढ़ोगे/पढ़ोगी? – When will you study?
तुम कब घर जाओगे/जाओगी? – When will you go home?
तुम कब खाना खाओगे/खाओगी? – When will you eat food?
तुम कब अपना होमवर्क पूरा करोगे/करोगी? – When will you finish your homework?
तुम कब अंग्रेज़ी सीखोगे/सीखोगी? – When will you learn English?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 8 अगस्त को कौन सा ऐतिहासिक दिवस मनाया जाता है और गाँधीजी ने किस नारे के साथ यह आंदोलन प्रारंभ किया? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: भारत छोड़ो आंदोलन दिवस (अगस्त क्रांति दिवस); "करो या मरो" (Do or Die)
व्याख्या: 8 अगस्त को "भारत छोड़ो आंदोलन दिवस" (Quit India Movement Day / August Kranti Diwas) मनाया जाता है। 8 अगस्त 1942 को बॉम्बे (मुंबई) के गोवालिया टैंक मैदान (अब अगस्त क्रांति मैदान) में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति की बैठक में महात्मा गाँधी ने "करो या मरो" (Do or Die) का ऐतिहासिक नारा दिया और ब्रिटिश शासन की तत्काल समाप्ति की माँग की। (StudyIQ) 2026 में यह 84वीं वर्षगाँठ है। क्रिप्स मिशन की विफलता के बाद INC ने यह प्रस्ताव पारित किया था। (VEDANTU) इस आंदोलन की विशेषता यह थी कि गाँधीजी और सभी प्रमुख नेताओं की गिरफ्तारी के बाद भी आम जनता ने अरुणा आसफ अली जैसे नेतृत्व में आंदोलन जारी रखा। (TNPSC SHOUTERS)
संदर्भ: nextias.com Quit India Movement Day 2026; (StudyIQ) vajiramandravi.com Quit India Movement Day 2026;

प्र.2. 6 अगस्त 2026 को "16वें वित्त आयोग" (FC-16) की रिपोर्ट पर चर्चा में राज्यों के लिए "ऊर्ध्वाधर विचलन" (Vertical Devolution) कितने प्रतिशत बनाए रखने की सिफारिश है? (समसामयिक घटना)
उत्तर: 41%
व्याख्या: 16वें वित्त आयोग (FC-16, 2026-31) की रिपोर्ट पर संघीय बहस छिड़ी हुई है — इसने ऊर्ध्वाधर कर विचलन 41% पर बनाए रखा जबकि अनुदान सहायता का हिस्सा 19.4% से घटाकर 8.3% किया। (Vajiram & Ravi) FC-16 के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगड़िया हैं। "ऊर्ध्वाधर विचलन" (Vertical Devolution) का अर्थ है केंद्र के करों में राज्यों की कुल हिस्सेदारी। 15वें वित्त आयोग (FC-15) ने भी 41% विचलन की सिफारिश की थी — 14वें FC ने 42% की सिफारिश की थी। वित्त आयोग की स्थापना संविधान के अनुच्छेद 280 के अंतर्गत होती है। दक्षिणी राज्य — तमिलनाडु, कर्नाटक — प्रायः अपनी जनसंख्या-नियंत्रण उपलब्धियों के बावजूद कम हिस्सा मिलने पर असंतोष व्यक्त करते हैं।
संदर्भ: insightsonindia.com UPSC Current Affairs 6 August 2026 — 16th Finance Commission;

प्र.3. "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा" — यह ऐतिहासिक नारा किसने दिया और उनकी प्रमुख पुस्तक कौन सी है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: नेताजी सुभाष चंद्र बोस; "द इंडियन स्ट्रगल" (The Indian Struggle)
व्याख्या: "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा" — यह अमर नारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस (23 जनवरी 1897 – 18 अगस्त 1945) का है जो उन्होंने 1944 में बर्मा में भारतीय राष्ट्रीय सेना (INA/आज़ाद हिंद फौज) को संबोधित करते हुए दिया था। "भारत छोड़ो आंदोलन" (1942) के संदर्भ में नेताजी की भूमिका महत्वपूर्ण थी — वे 1941 में ब्रिटिश नज़रबंदी से फरार होकर जर्मनी और जापान पहुँचे थे। उनकी प्रमुख पुस्तक "द इंडियन स्ट्रगल" (The Indian Struggle, 1935) में भारत के स्वतंत्रता संग्राम का विश्लेषण है। उनकी अन्य रचनाएँ: "An Indian Pilgrim" (आत्मकथा)।
संदर्भ: NCERT History Class 10, Ch 2 Nationalism in India, p. 30;

प्र.4. "अशुद्ध पेयजल" में कौन से हानिकारक तत्व पाए जाते हैं और क्लोरीनीकरण (Chlorination) किस प्रकार जल को शुद्ध करता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: जीवाणु, वायरस, भारी धातुएँ, कीटनाशक; क्लोरीन सूक्ष्मजीवों की कोशिका भित्ति नष्ट करती है
व्याख्या: अशुद्ध पेयजल में पाए जाने वाले हानिकारक तत्व: (1) जैविक प्रदूषक: जीवाणु (E.coli, Vibrio cholerae), वायरस (Hepatitis A), प्रोटोज़ोआ; (2) रासायनिक प्रदूषक: आर्सेनिक (Arsenic), फ्लोराइड, नाइट्रेट, भारी धातुएँ (सीसा, पारा); (3) कृषि प्रदूषक: कीटनाशक, उर्वरक। "क्लोरीनीकरण" (Chlorination) — जल में क्लोरीन या ब्लीचिंग पाउडर (Calcium Hypochlorite) मिलाने से: (1) क्लोरीन जल में हाइपोक्लोरस अम्ल (HOCl) बनाती है; (2) यह अम्ल सूक्ष्मजीवों की कोशिका भित्ति (Cell Wall) और एंजाइमों को नष्ट करता है; (3) इससे जल में उपस्थित जीवाणु और वायरस मर जाते हैं। हालाँकि क्लोरीन आर्सेनिक और फ्लोराइड जैसे रासायनिक प्रदूषकों को नहीं हटाती।
संदर्भ: NCERT Science Class 8, Ch 18 Pollution of Air and Water, p. 216–219;

प्र.5. "भारत छोड़ो आंदोलन" (1942) के दौरान बिहार में किस स्थान पर विद्यार्थियों और जनता ने सर्वाधिक सक्रिय भूमिका निभाई? (इतिहास)
उत्तर: पटना (सचिवालय गोलीकांड); आरा, मुंगेर, चंपारण
व्याख्या: "भारत छोड़ो आंदोलन" में बिहार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण थी। 11 अगस्त 1942 को पटना में "सचिवालय गोलीकांड" हुआ जिसमें राष्ट्रीय ध्वज फहराने का प्रयास कर रहे 7 छात्रों — उमाकांत सिन्हा, रामानंद सिंह, देवीपद चौधरी, सतीश प्रसाद झा, राजेंद्र सिंह, जगत्पति कुमार और रामगोविंद सिंह — को गोली मारकर शहीद किया गया। आरा (वीर कुंवर सिंह की धरती), मुंगेर, छपरा, चंपारण में भी आंदोलन तीव्र था। बिहार में जयप्रकाश नारायण ने हजारीबाग जेल से भागकर भूमिगत रहते हुए आंदोलन का नेतृत्व किया।
संदर्भ: NCERT History Class 10, Ch 2 Nationalism in India, p. 28–30;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. "फ्लोराइड प्रदूषण" (Fluoride Contamination) से प्रभावित भारत के कौन से राज्य हैं और यह किस अस्थि-रोग का कारण बनता है? (भूगोल)
उत्तर: राजस्थान, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना; फ्लोरोसिस (Fluorosis)
व्याख्या: "फ्लोराइड प्रदूषण" भूजल की एक गंभीर समस्या है जो भारत के अनेक राज्यों में पाई जाती है। WHO के अनुसार पेयजल में फ्लोराइड की सुरक्षित सीमा 1.5 mg/L है। इससे अधिक फ्लोराइड युक्त जल पीने से "फ्लोरोसिस" (Fluorosis) रोग होता है: (1) डेंटल फ्लोरोसिस: दाँतों पर धब्बे, भंगुरता; (2) स्केलेटल फ्लोरोसिस: हड्डियाँ मुड़ना, जोड़ों में दर्द। भारत के 20 से अधिक राज्यों में फ्लोराइड प्रभावित क्षेत्र हैं — राजस्थान, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश सर्वाधिक प्रभावित हैं। बिहार के कुछ जिलों — नालंदा, गया, नवादा — में भी भूजल में फ्लोराइड की अधिकता पाई गई है।
संदर्भ: NCERT Science Class 8, Ch 18 Pollution of Air and Water, p. 218;

प्र.7. "जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम" (Water Act) किस वर्ष पारित हुआ और इसके अंतर्गत "केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड" (CPCB) की स्थापना किस अनुच्छेद के अंतर्गत हुई? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: 1974 में; अनुच्छेद 3 (Water Act 1974 की धारा 3)
व्याख्या: "जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974" भारत का प्रथम पर्यावरण कानून है जो जल प्रदूषण रोकने और जल की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए बनाया गया। इसी अधिनियम की "धारा 3" के अंतर्गत "केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड" (CPCB — Central Pollution Control Board) की स्थापना हुई। CPCB पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अधीन कार्य करता है। इसके मुख्य कार्य: नदियों और जलाशयों की जल गुणवत्ता निगरानी, उद्योगों द्वारा प्रदूषण मानकों का पालन सुनिश्चित करना। राज्य स्तर पर "राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड" (SPCB) समान भूमिका निभाते हैं।
संदर्भ: Water (Prevention and Control of Pollution) Act 1974, Section 3;

प्र.8. "आर्सेनिक प्रदूषण" (Arsenic Contamination) से बिहार का कौन सा क्षेत्र सर्वाधिक प्रभावित है — और आर्सेनिक पेयजल में कैसे पहुँचता है? (विज्ञान)
उत्तर: भोजपुर, बक्सर, पटना (गंगा बेसिन); भूजल से प्राकृतिक निक्षालन (Leaching)
व्याख्या: "आर्सेनिक प्रदूषण" एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है जो बिहार के गंगा तटीय जिलों — भोजपुर, बक्सर, पटना, वैशाली, सारण — में भूजल को प्रभावित करती है। आर्सेनिक पेयजल में पहुँचने की प्रक्रिया: (1) गंगा मैदान की तलछटी चट्टानों (Alluvial Sediments) में आर्सेनिक के खनिज स्वाभाविक रूप से मौजूद होते हैं; (2) भूजल दोहन (Over-extraction) और ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में "अवायवीय अपघटन" (Anaerobic Decomposition) से आर्सेनिक जल में घुल जाता है; (3) आर्सेनिक युक्त जल के दीर्घकालिक सेवन से "आर्सेनिकोसिस" (Arsenicosis) — त्वचा में धब्बे, कैंसर और तंत्रिका क्षति — होता है। WHO की सुरक्षित सीमा: 0.01 mg/L।
संदर्भ: NCERT Science Class 8, Ch 18 Pollution of Air and Water, p. 216;

प्र.9. "भारतीय लघु चित्रकला" (Indian Miniature Painting) की "पहाड़ी शैली" (Pahari School) का उद्भव किन राज्यों में हुआ और इसमें मुख्यतः किस विषय का चित्रण होता है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर; राधा-कृष्ण की भक्ति-लीलाएँ
व्याख्या: "पहाड़ी शैली" (Pahari School of Miniature Painting) 17वीं-19वीं शताब्दी में हिमाचल प्रदेश (कांगड़ा, बसोहली, गुलेर, मनडी) और जम्मू-कश्मीर के पर्वतीय (Pahari) रजवाड़ों में विकसित हुई। इसकी दो उप-शैलियाँ हैं: (1) बसोहली शैली: गहरे रंग, उभरे हुए (3D) नयन, भव्य रूपाकृतियाँ; (2) कांगड़ा शैली: कोमल रंग, श्रृंगारिक भाव, नाजुक रेखाएँ। इसमें मुख्यतः राधा-कृष्ण की प्रेम-लीलाएँ, "गीतगोविंद" की कथाएँ, "रागमाला" और प्रकृति-चित्रण होता है। कांगड़ा शैली के चित्र संयमित और भावपूर्ण होते हैं जिन्हें "प्रेम का चित्रण" भी कहा जाता है।
संदर्भ: NCERT Class 11 — An Introduction to Indian Art, Ch 9 Miniature Painting, p. 120–125;

प्र.10. बिहार में "जल जीवन मिशन" (Jal Jeevan Mission) के अंतर्गत कितने ग्रामीण परिवारों तक नल-जल (Tap Water) पहुँचाने का लक्ष्य था और बिहार में इस मिशन की क्या प्रगति रही? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: बिहार में 2.14 करोड़ ग्रामीण परिवार; लक्ष्य का 80% से अधिक पूर्ण
व्याख्या: "जल जीवन मिशन" (Jal Jeevan Mission — JJM) केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है जिसे 2019 में प्रारंभ किया गया — लक्ष्य: 2024 तक सभी ग्रामीण परिवारों को "हर घर नल जल" (Functional Household Tap Connections — FHTC) उपलब्ध कराना। बिहार में JJM के अंतर्गत लगभग 2.14 करोड़ ग्रामीण परिवारों को FHTC देने का लक्ष्य था। 2026 तक बिहार ने 80% से अधिक लक्ष्य प्राप्त किया। चंपारण जैसे जिलों में "हर घर नल जल" से आर्सेनिक और फ्लोराइड प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। JJM के तहत जल की गुणवत्ता परीक्षण के लिए "5S — सही, सुरक्षित, सतत, सुलभ, समान" मानदंड तय किए गए हैं।
संदर्भ: Jal Jeevan Mission Official — jaljeevanmission.gov.in;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के BDMC कैलेंडर अगस्त W2 ("पेयजल की अशुद्धता से होने वाले खतरे एवं इसके उपाय") के अनुसार — विद्यालय में पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए बच्चों को कौन सी तीन घरेलू जल-शुद्धिकरण विधियाँ सिखाई जानी चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: उबालना, क्लोरीनीकरण (ब्लीचिंग पाउडर), सौर जल शुद्धिकरण (SODIS)

व्याख्या: BSDMA के BDMC कैलेंडर अगस्त W2 ("पेयजल की अशुद्धता से होने वाले खतरे एवं इसके उपाय") के अनुसार, विद्यालयों में बच्चों को तीन व्यावहारिक एवं घरेलू जल-शुद्धिकरण विधियाँ सिखाई जाएँ: (1) उबालना (Boiling): जल को 100°C पर कम से कम 1 मिनट उबालें — सभी जीवाणु, वायरस और प्रोटोज़ोआ नष्ट होते हैं; सबसे सुरक्षित और भरोसेमंद विधि; (2) क्लोरीनीकरण (Chlorination): 1 लीटर जल में 1 बूँद क्लोरीन घोल (2% हाइपोक्लोराइट) या ब्लीचिंग पाउडर का उपयोग; 30 मिनट बाद पीएँ; (3) SODIS (Solar Disinfection): पारदर्शी PET बोतल में जल भरकर 6-8 घंटे तेज़ धूप में रखें — UV किरणें सूक्ष्मजीव नष्ट करती हैं; ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यंत उपयोगी। बाढ़ के बाद या संकट की स्थिति में ये विधियाँ जीवन-रक्षक हैं।

संदर्भ: BSDMA BDMC Calendar August W2 — "पेयजल की अशुद्धता से होने वाले खतरे एवं इसके उपाय"; bsdma.org; WHO Household Water Treatment and Safe Storage; NCERT Science Class 8, Ch 18;

प्र.12. एक बर्तन में 80 लीटर शुद्ध दूध है। उसमें से 8 लीटर निकालकर उतना ही पानी मिला दिया। यही क्रिया दो बार और की। अंत में दूध में दूध का कितना प्रतिशत बचा? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 72.9%

व्याख्या: यह "मिश्रण और पुनर्स्थापना" (Successive Dilution) का प्रश्न है। सूत्र: अंतिम दूध की मात्रा = प्रारंभिक × $[(V-n)/V]^r$ जहाँ V = कुल आयतन = 80, n = प्रत्येक बार निकाली मात्रा = 8, r = बार = 3। = 80 × $[(80-8)/80]^3$ = 80 × $[72/80]^3$ = 80 × $[9/10]^3$ = 80 × 729/1000 = 80 × 0.729 = 58.32 लीटर। दूध का प्रतिशत = (58.32/80) × 100 = 72.9%। यह प्रश्न "Successive Replacement / Alligation" का क्लासिक उदाहरण है जो BPSC, SSC CGL, Bank PO में "Mixture & Alligation" खंड में प्रायः पूछा जाता है।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 8, Ch 13 Direct and Inverse Proportions;

GS संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण |

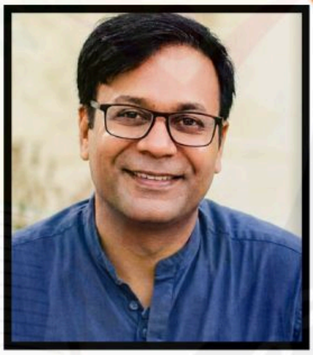

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Garner (गार्नर) = Collect (कलेक्ट) = एकत्र करना / प्राप्त करना

Antonym – Squander (स्क्वॉन्डर) = व्यर्थ गँवा देना

Hubris (ह्यूब्रिस) = Arrogance (एरोगेन्स) = घमंड / अहंकार

Antonym – Humility (ह्यूमिलिटी) = विनम्रता

Impetuous (इम्पेचुअस) = Impulsive (इम्पल्सिव) = उतावला / आवेगी

Antonym – Cautious (कॉशस) = सावधान / विवेकपूर्ण

Juxtaposition (जक्स्टापोज़िशन) = Comparison (कम्पैरिजन) = साथ रखकर तुलना करना / सामीप्य में रखना

Antonym – Separation (सेपरेशन) = पृथक्करण / अलगाव

Kindle (किन्डल) = Ignite (इग्नाइट) = प्रज्वलित करना / प्रेरित करना

Antonym – Extinguish (एक्सटिंग्विश) = बुझाना

~: संकलन :~

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण |

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Ministry of Electronics and IT Unveils 'National Artificial Intelligence Mission Phase-II' to Expand High-Performance Supercomputing Infrastructure.
हिन्दी अनुवाद: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने उच्च-प्रदर्शन सुपरकंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए 'राष्ट्रीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन चरण-II' का अनावरण किया।
भारत को वैश्विक एआई और डिजिटल नवाचार का केंद्र बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय एआई मिशन के अगले चरण को अधिसूचित किया है। इसके तहत देश के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों और स्टार्टअप्स को रियायती दरों पर एआई-कंप्यूट क्षमता, डेटा-सेंटर एक्सेस और रिसर्च ग्रांट उपलब्ध कराई जाएगी।

English Headline: NITI Aayog Releases 'National Sustainable Agri-Tech and Cold-Chain Index 2026', Highlighting State Progress in Post-Harvest Logistics.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने 'राष्ट्रीय सतत कृषि-तकनीक एवं कोल्ड-चेन सूचकांक 2026' जारी किया, जिसमें फसल कटाई के बाद के रसद में राज्यों की प्रगति को रेखांकित किया गया।
नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम रिपोर्ट में कृषि उत्पादों की बर्बादी को रोकने, सोलर कोल्ड स्टोरेज के विस्तार और एग्री-लॉजिस्टिक्स पार्कों के निर्माण के मामले में मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। यह सूचकांक किसानों की आय बढ़ाने और खाद्य सुरक्षा सुदृढ़ करने के राष्ट्रीय लक्ष्यों का मूल्यांकन करता है।

English Headline: ISRO Successfully Conducts Hot Qualification Testing of Indigenously Developed Liquid Methalox Rocket Engine for Reusable Launchers.
हिन्दी अनुवाद: इसरो ने पुनरुप्रयोज्य प्रक्षेपकों के लिए स्वदेशी रूप से विकसित लिक्विड मीथैलॉक्स रॉकेट इंजन का हॉट क्वालिफिकेशन परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने महेंद्रगिरि स्थित लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर (LPSC) में लिक्विड मीथेन और लिक्विड ऑक्सीजन से चलने वाले हरित इंजन का सफल परीक्षण किया। यह तकनीक भविष्य के पुनरुप्रयोज्य रॉकेटों (RLVs) की संचालन लागत घटाने और पर्यावरण-अनुकूल अंतरिक्ष अभियानों को बढ़ावा देने में अत्यंत सहायक होगी।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: UN General Assembly Adopts Milestone Resolution Establishing Global Ethical Standards for Marine Biodiversity and High Seas Conservation.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने समुद्री जैव विविधता और अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र संरक्षण के लिए वैश्विक नैतिक मानक स्थापित करने वाला ऐतिहासिक प्रस्ताव अपनाया।
न्यूयॉर्क में आयोजित संयुक्त राष्ट्र के विशेष सत्र में सदस्य देशों ने अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र (High Seas) के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने के लिए एक बहुपक्षीय संधि ढांचे को सर्वसम्मति से मंजूरी दी। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य अत्यधिक मत्स्य पालन पर नियंत्रण लगाना और समुद्री जैव विविधता के न्यायसंगत उपयोग को बढ़ावा देना है।

English Headline: World Bank and Asian Infrastructure Investment Bank Announce Joint $2.4 Billion Clean Energy Transition Fund for South Asia.
हिन्दी अनुवाद: विश्व बैंक और एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक ने दक्षिण एशिया के लिए संयुक्त $2.4 बिलियन के स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण कोष की घोषणा की।
दक्षिण एशियाई क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन घटाने और ग्रिड-स्तरीय अक्षय ऊर्जा क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से यह बहुपक्षीय वित्तीय पैकेज स्वीकृत किया गया है। इस राशि का प्राथमिक उपयोग भारत, नेपाल और बांग्लादेश के बीच अंतर-देशीय सौर तथा जलविद्युत पारेषण (Transmission) लाइनों के सुदृढ़ीकरण के लिए होगा।

English Headline: World Health Organization (WHO) Rolls Out 'Global Pathogen Genomics Surveillance Grid 3.0' for Real-Time Epidemic Warnings.
हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने वास्तविक समय में महामारी की चेतावनी के लिए 'ग्लोबल पैथोजन जीनोमिक्स सर्विलांस ग्रिड 3.0' लॉन्च किया।
जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण नए संक्रामक रोगों के उभरते खतरों की समय रहते पहचान करने के लिए डब्ल्यूएचओ ने जिनेवा में एक उन्नत डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। यह नेटवर्क जीनोम अनुक्रमण डेटा का विश्लेषण करके संभावित महामारियों के खिलाफ पूर्व चेतावनी जारी करेगा।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves 'Mukhyamantri Agri-Processing and Mega Logistics Policy 2026' to Subsidize Rural Infrastructure.
हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने ग्रामीण बुनियादी ढांचे को सब्सिडी प्रदान करने के लिए 'मुख्यमंत्री कृषि-प्रसंस्करण एवं मेगा लॉजिस्टिक्स नीति 2026' को मंजूरी दी।
राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूती देने और स्थानीय उत्पादों के मूल्य संवर्धन (Value Addition) के लिए बिहार सरकार ने एक नया प्रोत्साहन पैकेज स्वीकृत किया है। इसके तहत मखाना, शाही लीची, कतरनी चावल और मक्का के प्रसंस्करण, कोल्ड स्टोरेज और सीधे निर्यात में लगे एग्री-स्टार्टअप्स को सब्सिडी और रियायती दरों पर भूमि उपलब्ध कराई जाएगी।

English Headline: Bihar Department of Environment, Forest and Climate Change Initiates Geo-Tagging of Wetlands in Kosi-Seemanchal Region.
हिन्दी अनुवाद: बिहार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने कोसी-सीमांचल क्षेत्र की आर्द्रभूमियों की जियो-टैगिंग शुरू की।
उत्तर-पूर्वी बिहार की समृद्ध आर्द्रभूमियों (Wetlands) और प्राकृतिक जल निकायों के संरक्षण के लिए वन विभाग ने सैटेलाइट-आधारित मैपिंग और जियो-टैगिंग अभियान शुरू किया है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य जल निकायों के अतिक्रमण को रोकना, जलीय जैव विविधता का संरक्षण करना और भूजल स्तर को सुधारना है।

SPORTS NEWS

English Headline: Indian Archery Contingent Clinches Gold and Silver Medals in Compound Events at World Archery Stage Tournament.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय तीरंदाजी दल ने विश्व तीरंदाजी चरण टूर्नामेंट में कंपाउंड स्पर्धाओं में स्वर्ण और रजत पदक जीते।
अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय तीरंदाजों का उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी है। पुरुष और महिला दोनों वर्गों की व्यक्तिगत तथा टीम स्पर्धाओं में सटीक निशानेबाजी का प्रदर्शन करते हुए भारतीय दल ने पदक तालिका में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है।

English Headline: International Cricket Council (ICC) Formally Integrates AI-Powered Smart Boundary-Line Sensors for Error-Free Decisions.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने त्रुटिहीन फैसलों के लिए एआई-संचालित स्मार्ट बाउंड्री-लाइन सेंसर को औपचारिक रूप से एकीकृत किया।
अंतरराष्ट्रीय मैचों में अंपायरिंग के फैसलों को पूरी तरह से सटीक और त्वरित बनाने के उद्देश्य से आईसीसी ने अपनी नियमावली में सुधार किया है। नए तकनीकी अपडेट के तहत सीमा रेखा पर उच्च-सटीक कैमरों और एआई सेंसर का उपयोग किया जाएगा, जिससे निर्णय प्रक्रिया अधिक पारदर्शी होगी।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

✍️ संदेश:

"खबरें केवल वर्तमान का दर्पण नहीं होतीं, बल्कि वे भविष्य के अवसरों और चुनौतियों को समझने की दृष्टि प्रदान करती हैं। निरंतर पढ़ते रहें और जागरूक रहें।"

प्रेरक प्रसंग

"मिट्टी का घड़ा"

तक्षशिला गुरुकुल में एक दिन एक राजकुमार ने आचार्य चाणक्य से पूछा, "गुरुदेव, क्या सम्मान धन और ऊँचे कुल से मिलता है?"

चाणक्य उसे आश्रम के रसोईघर में ले गए। वहाँ एक साधारण मिट्टी का घड़ा था और पास ही एक सुंदर सोने का पात्र रखा था।
चाणक्य ने दोनों में पानी भरवाया। दोपहर की गर्मी में उन्होंने पहले मिट्टी के घड़े का पानी पिया। वह शीतल और मीठा था। फिर सोने के पात्र का पानी चखा, जो गर्म था।

राजकुमार आश्चर्य से बोला, "गुरुदेव, सोना अधिक मूल्यवान है, फिर भी आपने मिट्टी के घड़े का पानी क्यों पिया?"

चाणक्य मुस्कुराए और बोले, "जिस वस्तु का गुण श्रेष्ठ हो, उसका मूल्य उसके बाहरी रूप से नहीं, उसके उपयोग से होता है।"
फिर उन्होंने कहा, "मनुष्य भी ऐसा ही है। ऊँचा पद, धन और सुंदर वस्त्र कुछ समय के लिए आकर्षित कर सकते हैं, लेकिन विनम्रता, ज्ञान और सेवा-भाव ही उसे सच्चा सम्मान दिलाते हैं।"

राजकुमार ने सिर झुकाकर कहा, "आज समझ आया कि महानता बाहरी चमक में नहीं, भीतर के गुणों में होती है।"
चाणक्य बोले, "याद रखो, चमक आँखों को प्रभावित करती है, लेकिन गुण हृदय जीत लेते हैं।"

सीख : मनुष्य की पहचान उसके धन या रूप से नहीं, बल्कि उसके चरित्र, ज्ञान और व्यवहार से होती है।

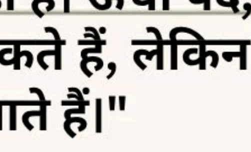

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है।

एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे युरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण–ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों मे बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राय, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगिण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयो मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चो के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियो के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयो के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : नवादा, अंक–2"

'संपादकीय'✍️

शीर्षक: नवादा: अफसढ़ का गुप्तकालीन वैभव, तपोवन का शिवत्व और स्वाधीनता समर

नवादा का ऐतिहासिक आभामंडल केवल कालखंडों की संपुटी नहीं, बल्कि वैदिक परंपराओं, गुप्त साम्राज्य के स्वर्णिम अवशेषों और जैन-सनातन धर्म की अनूठी संगम-स्थली है। इस भूमि की पौराणिक कथाएं महाभारत कालीन राजा जरासंध और राजा हरिश्चंद्र की स्मृतियों से जुड़ी हैं। काशीचक प्रखंड में स्थित अफसढ़ (Afsar/Afsadh) का पुरातात्विक स्थल इस जिले का सबसे बड़ा ऐतिहासिक मुकुटमणि है। यहाँ हुए उत्खनन से उत्तर-गुप्तकालीन (Later Gupta Dynasty) शासक आदित्यसेन के काल के अभिलेख, विष्णु मंदिर के अवशेष और रामायण के प्रसंगों को दर्शाती मनमोहक मृण्मूर्तियाँ (Terracotta Panels) प्राप्त हुई हैं, जो प्राचीन मगध की श्रेष्ठ स्थापत्य कला की गवाही देती हैं।

धार्मिक एवं आध्यात्मिक चेतना के धरातल पर नवादा की पहचान अत्यंत विराट है। नारदीगंज प्रखंड का हंडिया सूर्य मंदिर और तपोवन (गर्म जलकुंडों का समूह) प्रागैतिहासिक स्थापत्य और आरोग्य-आस्था का प्रमुख केंद्र हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, तपोवन वही पावन क्षेत्र है जहाँ महार्षि अंगिरा ने तपस्या की थी और राजा जरासंध की अनेक पौराणिक गाथाएं इससे जुड़ी हैं। इसके साथ ही, नवादा का गुणावां जी (Gunawan Ji) जैन श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत पूज्य है; मान्यता है कि यह स्थान जैन धर्म के प्रथम गणधर स्वामी गौतम गंधर्व (भगवान महावीर के मुख्य शिष्य) की केवलज्ञान और निर्वाण भूमि है।

औपनिवेशिक हुकूमत के खिलाफ नवादा का इतिहास निरंतर विद्रोह और अदम्य जन-प्रतिरोध की गाथाओं से भरा हुआ है। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान नवादा की माटी में क्रांति की ज्वाला भीषण रूप से धधक उठी थी। स्थानीय जमींदार हैदर अली खान ने अंग्रेजों की हुकूमत को सीधी चुनौती देते हुए नवादा में सरकारी नियंत्रण को समाप्त कर दिया था और स्वतंत्रता की घोषणा कर दी थी। यद्यपि बाद में अंग्रेजों ने क्रूरता से इस विद्रोह का दमन किया, लेकिन हैदर अली खान का यह साहस नवादा की चेतना में क्रांति का अमर प्रतीक बन गया।

स्वतंत्रता संग्राम के आधुनिक कालखंड में 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान नवादा उबलता हुआ इंकलाबी केंद्र था। 10 से 15 अगस्त 1942 के बीच नवादा, वारसलीगंज और हिसुआ के स्थानीय युवाओं ने अंग्रेजों की संचार व्यवस्था, रेल पटरियों और थानों पर धावा बोलकर शासन व्यवस्था को ध्वस्त कर दिया था। इस उथल-पुथल में अंग्रेजों की गोलियों का सामना करते हुए कई तरुण जन-नायकों ने अपने प्राणों की आहुति दी, जिनकी शहादत आज भी मगध के लोक-गीतों में रची-बसी है।

नवादा का यह दूसरा ऐतिहासिक अंक यह प्रमाणित करता है कि यहाँ की मिट्टी में गुप्तकालीन कला का वैभव, जैन व सनातन धर्म की आध्यात्मिक गहराई और मातृभूमि के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाला इंकलाबी चरित्र एक साथ प्रवाहित होता है। अफसढ़ के पुरातात्विक खंडहरों की प्राचीन शांति हो, तपोवन के गर्म चश्मों का आध्यात्मिक ओज हो या 1857 व 1942 के अमर शहीदों का रक्त—ये सभी तत्व मिलकर नवादा को भारतीय अस्मिता का एक अनुपम अध्याय बनाते हैं।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org